रोल नं. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

001

201 (HGA)

2023

हिन्दी

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 80**

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के **दो** खण्ड '**अ**' तथा '**ब**' हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

भाषा समूची युग चेतना की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है और ऐसी सशक्तता वह तभी अर्जित कर सकती है जब वह अपने युगानुकूल मुहावरों को ग्रहण कर सके। भाषा सामाजिक भाव प्रकटीकरण की सुबोधता के लिए ही उद्दिष्ट है। कभी-कभी अन्य संस्कृतियों के प्रभाव से और अन्य जातियों के संसर्ग से भाषा में नए शब्दों का प्रवेश होता है और इन शब्दों के सही पर्यायवाची शब्द अपनी भाषा में न प्राप्त हों तो उन्हें वैसे ही अपनी भाषा में स्वीकार करने में किसी भी भाषा-भाषी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। यही भाषा की आधुनिकता होती है। भाषा म्यूज़ियम की वस्तु नहीं है, उसकी एक स्वतः सिद्ध सहज गति है जो सदैव नित्य नूतनता को ग्रहण कर चलने वाली है।

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परम्परा से निः सृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति, विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नई सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए नए प्रयोगों की, नई भाव योजनाओं की, अभिव्यक्ति के लिए नए शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है।

अब प्रश्न यह है कि भाषा में ये परिवर्तन कैसे सम्भव हैं? यत्नसाध्य अथवा सहज-सिद्ध? यत्नसाध्य से तात्पर्य यह है कि भाषा को युगानुरूप बनाने के लिए किसी व्यक्ति-विशेष अथवा व्यक्ति समूह का प्रयत्न होना ही चाहिए। सहजसिद्ध से आशय इतना ही है कि भाषा की यह गति स्वाभाविक होने के कारण यह किसी प्रयत्न विशेष की अपेक्षा नहीं रखती है। हर भाषा की अपनी खास प्रवृत्ति होती है। शब्द निर्माण तथा अर्थग्रहण की दिशा में उसका अलग रूख होता है। उस विशेष प्रवृत्ति को ध्यान में रखकर ही, बिना उस भाषा की मूल आत्मा को विकृत बनाए हम अन्य भाषागत शब्दों को स्वीकार कर सकते हैं, चन्द रूपगत परिवर्तन के साथ।

https://www.ukboardonline.com

(क) भाषा किसका सशक्त माध्यम है? 1

(ख) वैज्ञानिक आविष्कारों का भाषा पर क्या प्रभाव पड़ा है? 2

(ग) हर भाषा का अपना अलग रूख किन दिशाओं में होता है? 1

(घ) 'यत्नसाध्य' से क्या तात्पर्य है? 2

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

2. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए- 8

(क) भारत भूमि महान
- (i) प्राकृतिक सौन्दर्य एवं भौगोलिक स्थिति
- (ii) विविधता में एकता
- (iii) श्रेष्ठ सभ्यता एवं संस्कृति
- (iv) उच्च कोटि के जीवन मूल्य

(ख) मेरे जीवन का लक्ष्य
- (i) जीवन में लक्ष्य का महत्व
- (ii) मेरे जीवन का लक्ष्य एवं प्रेरणा स्रोत
- (iii) लोक हित की भावना
- (iv) लक्ष्य प्राप्ति की तैयारी

3. अपने क्षेत्र के प्रमुख समाचार पत्र के सम्पादक को अपने नगर/गाँव में पेयजल की समस्या विषय पर एक शिकायती पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।) 4

अथवा

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को तीन दिन के अवकाश हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिए। अवकाश का उचित कारण अवश्य लिखें। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।)

4. निम्नांकित खण्ड 'क' एवं 'ख' में क्रियापद छांटिए और उनके भेद लिखिए - 1×2=2

(क) वह रामचरितमानस पढ़ता है।

(ख) प्रातःकाल हम विद्यालय जाते हैं।

निम्नांकित खण्ड 'ग' एवं 'घ' में यथानिर्देश उत्तर दीजिए - 1×2=2

(ग) परिश्रम करो अन्यथा सफलता में सन्देह है। (समुच्चय बोधक शब्द छाँटकर लिखिए)

(घ) खरगोश तेज दौड़ता है। (रीतिवाचक क्रिया-विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए)

https://www.ukboardonline.com

5. निम्नांकित का यथानिर्देश उत्तर दीजिए - 1×4=4

(क) प्रत्येक व्यक्ति ईमानदार होता है। (प्रश्नवाचक वाक्य में बदलिए)

(ख) राम से पढ़ा नहीं जाता। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ग) वह विद्यालय आया और उसने अध्ययन किया। (सरल वाक्य में बदलिए)

(घ) मैंने यथा समय काम पूरा कर लिया था। (कर्मवाच्य में बदलिए)

6. (क) निम्नलिखित में कौन सा शब्द अश्व का समानार्थी नहीं है : 1

(i) सैंधव (ii) खेचर (iii) हय (iv) तुरंग

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से 'समुद्र' का अर्थ छाँटकर लिखिए - 1

(i) नीरद (ii) नीरज (iii) नीरधि (iv) वारिद

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी <u>एक</u> काव्यांश के नीचे दिये गये किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(i) अट नहीं रही है
आभा फागुन की तन
सट नहीं रही है।
कहीं साँस लेते हो,
घर-घर भर देते हो,
उड़ने को नभ में तुम
पर-पर कर देते हो,
आँख हटाता हूँ तो
हट नहीं रही है।
पत्तों से लदी डाल
कहीं हरी, कहीं लाल,
कहीं पड़ी है उर में
मंद-गंध-पुष्प-माल,

https://www.ukboardonline.com

पाट-पाट शोभा-श्री
पट नहीं रही है।

(क) कवि की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है?

(ख) प्रस्तुत कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रूपों में किया है?

(ग) फागुन में ऐसा क्या होता है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है?

(ii) तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा। बार बार मोहि लागि बोलावा।।
सुनत लखन के बचन कठोरा। परसु सुधारि धरेउ कर घोरा ।।
अब जनि देइ दोसु मोहि लोगू। कटुबादी बालकु बधजोगू ।।
बाल बिलोकि बहुत मैं बाँचा। अब येहु मरनिहार भा साँचा।।
कौसिक कहा छमिअ अपराधू। बाल दोष गुन गनहिं न साधू।।
खर कुठार मैं अकरुन कोही। आगे अपराधी गुरुद्रोही ।।
उतर देत छोड़ौं बिनु मारे । केवल कौसिक सील तुम्हारे।।
न त येहि काटि कुठार कठोरे । गुरहि उरिन होतेउँ श्रम थोरे।।

(क) परशुराम ने जनसामान्य से क्या कहा?

(ख) विश्वामित्र ने लक्ष्मण को क्षमा करने के लिए परशुराम को क्या तर्क दिए?

(ग) विश्वामित्र परशुराम की दशा को देखकर क्या सोचने लगे?

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×2=4

(क) गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं?

(ख) 'छाया मत छूना' कविता में छाया शब्द किस सन्दर्भ में प्रयुक्त हुआ है? कवि ने छाया को छूने के लिए क्यों मना किया है?

(ग) जयशंकर प्रसाद की 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर बताइए कि कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है?

9. (क) 'यह दन्तुरित मुसकान' कविता का आपके मन पर क्या प्रभाव पड़ा? संक्षेप में लिखिए। 1

(ख) 'संगतकार' कविता के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है? 1

https://www.ukboardonline.com

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी **एक** गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(i) अत्रि की पत्नी पत्नी-धर्म पर व्याख्यान देते समय घंटों पाण्डित्य प्रकट करे, गार्गी बड़े-बड़े ब्रह्मवादियों को हरा दे, मंडन मिश्र की सहधर्मचारिणी शंकराचार्य के छक्के छुड़ा दे! गजब! इससे अधिक भयंकर बात और क्या हो सकेगी! यह सब पापी पढ़ने का अपराध है। न वे पढ़तीं, न वे पूजनीय पुरुषों का मुकाबला करतीं। यह सारा दुराचार स्त्रियों को पढ़ाने ही का कुफल है। समझे। स्त्रियों के लिए पढ़ना कालकूट और पुरुषों के लिए पीयूष का घूँट! ऐसी ही दलीलों और दृष्टान्तों के आधार पर कुछ लोग स्त्रियों को अपढ़ रखकर भारतवर्ष का गौरव बढ़ाना चाहते हैं।

(क) प्राचीन भारत में स्त्री-शिक्षा की स्थिति सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) स्त्रियों के लिए पढ़ना कालकूट और पुरुषों के लिए पीयूष का घूँट! इस कथन से लेखक का क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए।

(ii) आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही। सुई-धागे के आविष्कार में शायद शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ रहा। अब कल्पना कीजिए उस आदमी की जिसका पेट भरा है, जिसका तन ढँका है, लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया हुआ रात के जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती क्योंकि वह यह जानने के लिए परेशान है कि आखिर यह मोती भरा थाल क्या है? पेट भरने और तन ढकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है। पेट भरा और तन ढँका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है, निठल्ला नहीं बैठ सकता। हमारी सभ्यता का एक बड़ा अंश हमें ऐसे संस्कृत आदमियों से ही मिला है, जिनकी चेतना पर स्थूल भौतिक कारणों का प्रभाव प्रधान रहा है, किन्तु उसका कुछ हिस्सा हमें मनीषियों से भी मिला है जिन्होंने तथ्य-विशेष को किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत होकर नहीं, बल्कि उनके अपने अन्दर की सहज संस्कृति के ही कारण प्राप्त किया है। रात के तारों को देखकर न सो सकने वाला मनीषी हमारे आज के ज्ञान का ऐसा ही प्रथम पुरस्कर्ता था।

(क) संस्कृत मानव आप किसे समझते हैं? कुछ उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(ख) रात के तारों को देखकर न सो सकने का आशय स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(क) फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी?

(ख) 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कैप्टन बार-बार मूर्ति पर चश्मा क्यों लगा देता था?

(ग) पठित पाठ के आधार पर बताएँ कि बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा किन-किन रूपों में प्रकट हुई है।

https://www.ukboardonline.com

12. (क) हिंदी के प्रति फादर बुल्के के क्या विचार थे? 1

(ख) 'एक कहानी यह भी' की लेखिका के व्यक्तित्व पर किन लोगों का किस रूप में प्रभाव पड़ा? संक्षेप में बताइए। 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×3=6

(क) 'माता का अँचल' पाठ में वर्णित प्राचीन ग्राम्य संस्कृति का चित्रण कीजिए।

(ख) नाक मान-सम्मान व प्रतिष्ठा का द्योतक है। 'जॉर्ज पंचम की नाक' कहानी के आधार पर उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'साना साना हाथ जोड़ि-----' कहानी के आधार पर बताइए कि प्रकृति के विराट और अनन्त सौन्दर्य को देखकर लेखिका को कैसी अनुभूति होती है? https://www.ukboardonline.com

(घ) हिरोशिमा की घटना पर लेखक की मनःस्थिति का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

खण्ड-ब

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत - 2×3=6

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

यदा विवेकानन्दः परिव्राजकरूपेण अभवत् तदा सम्पूर्णं देशम् अटितवान्। कदाचित् सः वनं गतवान्। तदा केचन वानराः तम् अनुगताः। यद्यपि सः धीरः तथापि वानरान् दृष्ट्वा एकाकी सः किञ्चित् भीतः अभवत् अतः सः शीघ्रं गतवान्। वानराः अपि तं शीघ्रं अनुधावितवन्तः। तदा सः तत्र हासस्य शब्दं श्रुतवान्। तत्र एकः संन्यासी स्थितवान् आसीत्। सः विवेकानन्दं दृष्ट्वा उक्तवान् - हे युवसन्यासिन् मा धाव, तस्य सम्मुखीकरणम् एवं उत्तमम्। एतत् श्रुत्वा विवेकानन्दः तत्रैव स्थितवान्। यदा विवेकानन्दः स्थितवान् तदा वानराः अपि स्थितवन्तः। धैर्येण सः समीपं गतवान्। तान् प्रति चलितवान् तदा वानराः पलायनं कृतवन्तः।

(क) विवेकानन्दः कदा देशम् अटितवान्?

(ख) संन्यासी विवेकानन्दं दृष्ट्वा किम् उक्तवान्?

(ग) यदा विवेकानन्दः स्थितवान् तदा किम् अभवत्?

(घ) कदा वानराः पलायनं कृतवन्तः?

https://www.ukboardonline.com

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×2=4

(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

नीरक्षीरविवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत् ।
विश्वस्मिन्नधुनान्यः कुलव्रतं पालयिष्यति कः।।

(क) नीरक्षीर विवेकी कः भवति?

(ख) अन्यः किं न पालयिष्यति?

(ग) हंसः किं तनुते?

16. पठित पाठाधारितान **त्रीन** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×3=6

(पठित पाठों के आधार पर किन्हीं **तीन** प्रश्नों का पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए)

(क) कस्य अञ्चले हरिद्वार नगरं शोभते?

(ख) जनाः सुवर्णं कया तोलयन्ति?

(ग) चौराः कां प्रतिज्ञां कृतवन्तः?

(घ) मानवजीवने सत्सङ्गतेः के लाभाः सन्ति?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं **चत्वारि** रिक्त स्थानानि पूरयत- ½×4=2

(निम्नलिखित शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं चार वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए)

शब्द सूचीः - जनाः, निर्मलं, पश्यति, उत्तराखण्डस्य, लज्जा, चन्द्रगुप्तस्य

(क) चाणक्यः .... मंत्री आसीत् ।

(ख) यतो मां .... गुञ्जया तोलयन्ति।

(ग) हरिद्वारं .... पावनं नगरम् अस्ति।

(घ) येषां हृदयं .... भवति।

(ङ) इदं श्रुत्वा चोरेषु .... उत्पन्ना।

(च) बालकः दूरदर्शनम् ....।

https://www.ukboardonline.com

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं **चत्वारि** प्रश्नान् उत्तरत- 1×4=4
(निम्नलिखित में से निर्देशानुसार किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए)

(क) सन्धिं कुरूत (सन्धि कीजिए)-
पो + अनः, तथा + एव

(ख) सन्धि विच्छेदं कुरूत (सन्धि विच्छेद कीजिए)-
प्रत्येकम्, हरेऽव

(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरूत-
(समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए)
राजपुरुषः, त्रिभुवनम्

(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् पृथककृत्वा लिखत-
(निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग अलग कर लिखिए)
सज्जनः, उपदेशः

(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्ध शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत-
(कोष्ठक में दिये शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए)

(i) बालकः ....विभेति। (सर्पेण, सर्पात)

(ii) सीता .... सह वनं गच्छति। (रामस्य/रामेण)

19. निम्नांकित शब्दसूचीतः **चतुर्णाम्** शब्दानां वाक्यप्रयोगं कुरुत-
(निम्नांकित शब्दों में से किन्हीं **चार** का वाक्यों में प्रयोग कीजिए) ½×4=2

(क) परितः (ख) अपठत् (ग) आवाम्

(घ) जिघ्रन्ति (ङ) गमिष्यावः (च) सा

अथवा

अधोलिखितेभ्यः वाक्येभ्यः **द्वयोः** संस्कृतानुवादं कुरुत- 1×2=2

(निम्नलिखित वाक्यों में से **दो** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए)

(क) वे सब रामचरितमानस पढ़ेंगे।

(ख) सीता नृत्य करती है।

(ग) मैं खेलता हूँ।

*****

https://www.ukboardonline.com